माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद के भाषण (8 नवम्बर 2017) के अंश

मृत्यु के बाद हमारा शरीर या शारीरिक अंग किसी और मनुष्य के उपचार के लिए उपयोगी हो सके यह सोच हमारे समाज व देश की आने वाली पीढ़ी को एक मानवीय दृष्टिकोण प्रदान करेगी। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि हम लोगों को देह-अंगदान से संबंधित प्रक्रिया को सरल रूप से समझाएं और उन्हें देह-अंगदान के लिए प्रोत्साहित करें। उनके स्वभाविक सवालों के उत्तर देकर उन्हे संवेदनशील व जागरूक बनाएं।

अब समय आ गया है जब हम संपूर्ण समाज व देश को अपना परिवार बनाएं एवं हर पीड़ित, दुर्घटना ग्रस्त, बीमार व अपंग व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए नि:स्वार्थ भाव से अपने देह/अंगों का दान करने का संकल्प लें। यही सही मायने में मानवता की सेवा में एक प्रेरणादायी कदम होगा।

'सर्वे सन्तु निरामया' यानि सब लोग स्वस्थ रहें-इसी आदर्श पर चलते हुए हम एक स्वस्थ सबल भारत के निर्माण के लिए दृढ़ प्रतिज्ञा करें।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की बात' (अक्टूबर 2015) के अंश

मुझे लगता है कि यह विषय बहुत महत्वपूर्ण है। देश को प्रतिवर्ष दान के लिए 2.5 लाख से अधिक किडनी, दिल और लिवर की जरूरत है। हालाँकि 125 करोड़ लोगों वाले देश में, केवल 5000 प्रत्यारोपण ही होते हैं। हर साल लगभग एक लाख आँखों की जरूरत होती है और हम केवल 25,000 लोगों तक पहुंचते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि हम चार जरूरतमंद व्यक्तियों में से केवल एक को ही नेत्र प्रदान करने में सक्षम हैं। हमें यह भी पता होना चाहिए कि अगर सड़क दुर्घटना में किसी की मौत होती है, तो अंग भी दान किए जा सकते हैं। इसमें कुछ कानूनी अड़चनें शामिल हैं और इस दिशा में राज्यों का मार्गदर्शन करने का प्रयास किया गया है।
कागज के काम को कम करके, कुछ राज्यों ने अंगदान में शामिल प्रक्रिया को गति देने का अच्छा प्रयास किया है। कई सामाजिक संगठन और एनजीओ इस दिशा में सराहनीय काम कर रहे हैं। अंग प्रत्यारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTO) की स्थापना की गई है। 24x7 हेल्पलाइन सुविधा 1800 114 770 भी उपलब्ध है। 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा' इस मंत्र में त्याग करने की खुशी का बहुत सुंदर वर्णन किया गया है।

दधीचि देह दान समिति
देहरादून (उत्तराखण्ड)

श्री राधा कृष्ण मन्दिर परिसर, यमुना कॉलोनी, देहरादून, उत्तराखण्ड – 248001

फोन – 9412438100, 9897287021, 7906600421, 9411170800

dehdanuk27@gmail.com www.angdan.org

Dadhichi Deh Dan Samiti Dehradun UK

Pledge for Eye, Organ, Body Donation after death

मरणोपरांत नेत्र, अंग, देह दान का संकल्प पत्र

Dear Sir
In the Cause of Humanity, I resolve to donate after death my eyes/ all transplantable organs/full body.

प्रिय महोदय,
मैं मानवता के लिए, अपनी मृत्यु के बाद अपने नेत्र / काम आ सकने वाले सभी अंग/पूरी देहदान करने का संकल्प करता/करती हूँ।

Signature / **हस्ताक्षर**

1. Personal Details / **व्यक्तिगत जानकारी**

Name : _____
नाम

Date of Birth : _____ Sex : _____ Blood Group : _____
जन्म तिथि **लिंग** **रक्त ग्रुप**

Father/Husband's Name : _____
पिता/पति का नाम

Mother's Name : _____
माता का नाम

Address : _____
पता

_____ Pin Code : _____
पिन कोड

E-mail : _____
ई–मेल

Occupation : _____
व्यवसाय

2. Other Useful information (Education, field of Interest etc) : _____
अन्य उपयोगी जानकारी (शिक्षा, पद, रुचि का क्षेत्र आदि)

3. I wish to donate (please tick)
मैं यह दान करना चाहता/चाहती हूँ (कृपया टिक करें)

(i) Eye Only / **केवल नेत्र:** ☐

(ii) All transplantable Organs
काम आ सकने वाले सभी अंग ☐

(iii) Whole Body
पूरी देह ☐

Mobile : _____ Phone Resi. : _____ Phone Off. : _____
मोबाइल **घर** **कार्यालय**

Aadhar No. : | | | | | | | | | | | | |
आधार संख्या

4. Two Witnesses (One should be from close family):
दो गवाह (एक निकट सम्बन्धी जरूरी है)

	1	2
नाम Name		
पता Address		
संबंध Relationship		
मोबाइल Mobile		
हस्ताक्षर Signature		

5. Please appoint an executor to communicate with the Samiti, When time comes for it :
कृपया एक निष्पादक की नियुक्ति करें, जो दान का समय आने पर समिति से सम्पर्क करेगें :

Name / **नाम** : _____

Address / **पता** : _____

Mobile / **मोबाईल** : _____

6 Motivator's Name and Address
आपके इस पुण्य संकल्प के लिए प्रेरणा देने वाले का नाम व पता :

_____

VERIFICATION / **सत्यापन:**

I _____ hereby verify that the above information is true to my knowledge. I request Dadichi Dehdan Samiti to take necessary action in accordance with my pledge.

मैं सत्यापित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा ऊपर दी गई जानकारी, मेरे निजी ज्ञान के अनुसार सत्य है। मैं दधीचि देहदान समिति से प्रार्थना करता/करती हूँ कि मेरा यह संकल्प करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें।

Date / **दिनांक** _____ Place / **स्थान** Signature / **हस्ताक्षर**

For Office use only / **केवल कार्यालय के प्रयोग हेतु**

(i) Dates / **तारीखें :**
Form received on / **फॉर्म प्राप्त :**
Form acknowledgment / **फॉर्म पावती:** I Card / **परिचय पत्र :**
Certificate / **प्रमाण पत्र :** Will / **वसीयत :**

(ii) Donor Number / **संकल्पदाता का अनुक्रमांक:**

(iii) **फार्म भरने वाले समिति सदस्य का नाम:**

NECESSARY INSTRUCTIONS / आवश्यक सूचनाएं

1. **कृपया अपना फॉर्म पूरा भरके अपना एक फोटो और दान (यदि हो) तो निम्नलिखित पते पर भेजे:**
श्री राधा कृष्ण मन्दिर परिसर, यमुना कॉलोनी, देहरादून, उत्तराखण्ड – 248001

अध्यक्ष	महासचिव	कोषाध्यक्ष
डा. मुकेश गोयल	नीरज पाण्डे एडवोकेट	कृष्ण कुमार अरोड़ा
9412438100	9897287021	7906600421

2. **कानूनी प्रावधानों के अनुसार आपके संकल्प पत्र में दो गवाहों का होना आवश्यक है। इसमें से एक निकट सम्बन्धी (माँ, पिता, पत्नी, भाई, बहन या व्यस्क पुत्र या पुत्री) होना चाहिए।**
3. **दानी की मृत्यु होने पर परिवार को निम्न किसी भी नंबर पर सूचना देनी होती है :**
डा. मुकेश गोयल - 9412438100, नीरज पाण्डे एडवोकेट - 9897287021, कृष्ण कुमार अरोड़ा -7906600421, अतुल कुमार गुप्ता- 9837894998, डा. कृष्णगोपाल - 9411362624
इसके बाद समिति परिवार से चर्चा करते हुए दान को सफल कराने की पूरी जिम्मेदारी लेती है। इस दान के लिए (i) समिति द्वारा दिया गया दानी का प्रमाण पत्र या पहचान पत्र (ii) इलाज करने वाले डॉक्टर का मृत्यु का कारण बताने वाला प्रमाण पत्र / अस्पताल से मिलने वाली डैथ समरी (iii) दाता का वोटर पहचान पत्र / आधार कार्ड या पहचान का कोई अन्य सरकारी दस्तावेज चाहिए।
अगर दान दाता का पंजीकरण नहीं हुआ था तो परिवार के निकट सदस्य प्रमाण पत्र देगें कि परिवार सहमति से यह दान करा रहा है।

नेत्रदान की प्रक्रिया :
1. **मृत्यु होते ही समिति को सूचना दें।**
2. **मृत शरीर को हवादार स्थान पर रख दें। पंखा बंद कर दें, यदि ए. सी. हो तो उसे चलने दें। आँखें बंद कर उन पर गीली रूई/ तौलिया रख दें। सिर के नीचे तकिया लगा दें।**
3. **मृत्यु के छह घंटे के भीतर कार्निया का दान होने पर ही उसका उपयोग हो सकता है। अत: देर न करें। इसके लिए डॉक्टर आपके घर आएगें।**
4. **नेत्रदान के बाद अपने रीति–रिवाज से अंतिम क्रिया कर सकते हैं।**

देहदान की प्रक्रिया :
1. **मृत्यु होते ही समिति को सूचना दें।**
2. **मृत देह को हवादार स्थान पर वर्फ या बिजली के शव बक्से में रख दें। मृत शरीर पर कोई लेप आदि न लगाए।**
3. **यथाशीघ्र देहदान करवा दें। देह को मेडिकल कॉलेज पहुँचाने की व्यवस्था समिति करेगी।**

अंगदान की प्रक्रिया :
डाक्टरों द्वारा ब्रेन डैड घोषित होने पर समिति को सूचना दें। अगली कार्यवाही तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार की जाएगी।

हम कृतज्ञ होंगे यदि समिति के व्यय के लिए आप अधिक से अधिक दान 'दधीचि देहदान समिति देहरादून उत्तराखण्ड ' के नाम चैक/नगद द्वारा दें।

DADHICHI DEH DAN SAMITI DEHRADUN (UTTARAKHAND)
दधीचि देहदान समिति देहरादून (उत्तराखण्ड)
Bank - Indian Bank, ISBT, Dehradun
A/c No. 7197615066
IFSC - IDIB000D557
आर्थिक सहयोग की जानकारी कृपया कोषाध्यक्ष जी को अवश्य दें।